अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद में आत्मघाती-हमलों की भूमिका

(Role of Suicide Attacks in International Terrorism)

लेखक

राजकुमार

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग

श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय

हनुमानगढ़, राजस्थान, भारत

प्रकाशक

सोशल रिसर्च फाउण्डेशन

128/170, एच-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर-11

(M) 9335332333, 9839074762

Title	:	**अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद में आत्मघाती-हमलों की भूमिका**
Authors	:	Dr. Rajkumar (Mandora)
Publisher	:	Social Research Foundation
Publisher Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur Uttar Pradesh, India
Printer's Detail	:	Social Research Foundation
Printer's Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur, Uttar Pradesh, India
Edition	:	1st Edition, 2023
ISBN	:	978-93-93166-47-0
Cover Clips Source	:	Internet

Copyright © Publisher

आत्म-निवेदन

(Acknowledgement)

इस शोध-प्रबंध के लिये मैं सर्वप्रथम अपने शोध निर्देशक डॉ0 हरवीर सिंह जी का आभार व्यक्त करता हट्ट, जिनके कुशल निर्देशन, मार्गदर्शन व प्रेरणा तथा बहुमूल्य सुझावों ने इस कठिन कार्य को सम्पन्न कराने में सहायता की।

मैं अपने विभागाध्यक्ष प्रो0 राजेन्द्र सिंह सिवाच, डॉ0 दलीप सिंह बाजिया, डॉ0 सतपाल जी वत्स व अन्य कर्मचारियों व कम्प्यूटर टाईप राईटर श्री सुरजीत सिंह मलिक, सन्नी कम्प्यूटरस, नजदीक पावर हाऊस, रोहतक व श्री विजय बाल्याण व श्री विजेन्द्र पवार (कुलदीप), मैसर्स दिपांशु ग्रापिफक्स, पावर हाउफस, रोहतक का भी धन्यवाद करता हूट्ट जिन्होंने मेरा सहयोग किया। मैं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के पुस्तकालय कर्मचारियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूट्ट, जिन्होंने इस शोध-प्रबन्ध के लिए अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने में मेरा पूरा साथ दिया।

मैं अपने पूजनीय माता-पिता का आभार व्यक्त करता हूट्ट जिन्होंने मुझे इस कार्य हेतु समय व सहयोग के साथ-साथ मार्गदर्शन भी दिया। मैं अपने सहपाठी प्रतापसिंह, सतीश कुमार, जोगिन्द्र सिंह, सुमेश कुमार, संदीप कुमार, प्रदीप कुमार का भी आभार व्यक्त करता हट्ट। जिन्होंने मुझे इस कार्य को पूर्ण करने मंे सहयोग दिया।

मैं डॉ0 सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, डॉ0 महेश त्रिपाठी व डॉ0 मधु चौपड़ा, डॉ0 सत्यव्रत, श्री प्रमोद शर्मा, कर्नल रितेश चंदेल और ज्योति मैड़म जी, सुचित्रा दिवाकर जी का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूट्ट जिन्होंने मुझे अच्छे

कार्य व उच्च शिक्षा के लिये प्रेरित किया व साथ-साथ उचित दिशा-निर्देश व मार्गदर्शन देकर मेरा मनोबल बढ़ाया व उपयोगी एवं प्रासंगिक सामग्री उपलब्ध करवायी।

मैं पुनः डॉ0 हरवीर सिंह जी का धन्यवाद करता हूट्ट जिनके दरवाजे मेरी शोध समस्याओं के उचित समाधान एवं मेरा मनोबल उच्च करने के लिए हमेशा खुले रहे।

शोधार्थी

राजकुमार

(MA, M.Phil, UGC-NET, JRF, URS, RGRNF)

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

प्राक्कथन

हर तरपफ यह कहा जा रहा है कि आतंकवाद वर्तमान विश्व की सबसे बड़ी समस्या है। लेकिन यह है क्या? इस सम्बन्ध में विश्व के सभी देश एकमत नहीं हैं। यहाट्ट तक कि विश्व संस्था- संयुक्त राष्ट्र संघ भी आतंकवाद की सर्वमान्य एवं सर्वसहमति वाली परिभाषा नहीं दे सका है। जिन हिंसात्मक गतिविधियों को अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद कहते हैं उन्हें कट्टरपंथी मुसलमान 'जिहाद', पिफलीस्तीन व कश्मीर जैसे भू-भागों को स्वतंत्रा देश बनाने की तमन्ना रखने वाले 'स्वतंत्राता की लड़ाई', अमेरिकी अहम् के विरोधी 'उत्पीड़न व शोषण के विरुद्ध संघर्ष' तथा तटस्थ सोच वाले 'क्रिया की प्रतिक्रिया' कहते हैं।

11 सितम्बर, 2001 को अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केन्द्र एवं पेंटागन की इमारतों को अपहृत किए गए विमानों से टकरा कर जिस प्रकार ध्वस्त किया गया उसने यकायक विश्व की राजनैतिक, कूटनीतिक, सामरिक और आर्थिक परिस्थितियों को पूरी तरह से बदल दिया है। अब अमेरिका संसार भर से आतंकवाद की समाप्ति के लिए कटिबद्ध है। दूसरी ओर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के आतंकवादी व्यक्ति एवं समूह अपना विरोध करने वाले राष्ट्रों को और अधिक बुरे परिणाम भुगतने की खुली चुनौतियाँ दे रहे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका द्वारा किए जा रहे 'यु(' में स्वेच्छा या मजबूरी से अधिकांश राष्ट्र शामिल होते नज़र आ रहे हैं। क्या वास्तविकता ऐसी ही है? क्या आतंकवाद को जड़मूल से हमेशा के लिए समाप्त किया जा सकता है? क्या आतंक का मुकाबला एक-दूसरे प्रकार के आतंक से किया जा सकता है? क्या विश्व के किसी राष्ट्र के पास आत्मघाती-दस्तों से मुकाबला करने के

कारगर उपाय हैं? ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं जो अब पूरी तरह से ज्वलंत और सामयिक बन गये हैं।

इस शोध में ऐसे ही प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास किया गया है। जिसके लिए आतंकवाद के कारणों, उसके विभिन्न स्वरूपों एवं रोकने के उपायों, इस्लाम और अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद, आतंकवाद से आहत विश्व एवं संयुक्त राष्ट्र संघ की दयनीय स्थिति जैसे पक्षों के सम्बन्ध में निष्पक्ष, बेबाक एवं तर्कपूर्ण विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। शोधार्थी का उद्देश्य यहाँ आतंकवाद की भयावहता से केवल परिचित भर कराने का नहीं है, उसका उद्देश्य तो उन्हें वास्तविकताओं से साक्षात्कार करवाने के साथ ही समस्या के सम्बन्ध में तर्कपूर्ण बहस प्रारम्भ करने और हल के व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करने के लिए उद्वेलित करना भी है। इसमें किंचित मात्रा भी सपफलता प्राप्त होती है तो शोध की सार्थकता स्वतः सि(हो जाती है। शोध की भाषा को यथासम्भव सरल, विषयवस्तु को पूर्ण, विश्लेषण को तर्कपूर्ण, उदाहरणों को सटीक और मूल्य को न्यूनतम रखने का प्रयास किया गया है।

शोध का प्रयोजन एवं शोध (अनुसंधान) विधि **(Purpose of Research and Research Methodology)**- आज 'अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद' विश्व की सबसे प्रमुख ज्वलंत समस्या है जिसमें विश्व के अनेक देशों के निर्दोष नागरिक प्रति दिन मारे जा रहे हैं। आतंकवादी आत्मघाती-हमलों का प्रयोग करने से भी नहीं चूक रहे हैं। आतंकवाद का शिकार सिपर्फ निर्दोष नागरिक ही नहीं हैं बल्कि इन्होंने विश्व के अनेकों प्रमुख व्यक्तियों, देशों के शासनाध्यक्षों, प्रसिद्ध एवं व्यक्तित्व के धनी महापुरुषों को भी अपना शिकार बनाकर विश्व को उनकी सेवाओं एवं मार्गदर्शन से वंचित किया है। इस प्रकार

सम्पूर्ण मानव जाति की प्रगति को गहरी चोट पहुट्टचाई है। इसलिये शोध का विषय मानव जाति के कल्याण एवं उसकी वर्तमान समस्या के समाधान से जुड़ा होना चाहिए यही सोच कर मैंने यह विषय चुना। और आत्मघाती हमलावरों के बारे में शोध करके उन कारणों का पता लगाया जाये जो इनको आत्मघाती बनाकर आतंकवाद रूपी मौत के कुएट्ट में धकेल देते हैं।

इस शोध कार्य में प्राईमरी डाटा ;च्तपउंतल.कृंजंद्ध प्रयोग करने की सुविधा एवं मौका मुझे नहीं मिल पायेगा क्योंकि 'अजमल कसाब' ;मुम्बई आतंकी हमलावर 26 नवम्बर 2008द्ध जैसे खुंखार, कुख्यात आतंकवादियों का साक्षात्कार करने का मौका नहीं मिलेगा और न ही हम लिट्टे, अलकायदा, तालिबान, हमास इत्यादि के आत्मघाती हमलावरों का साक्षात्कार ले पायेंगे। (लिट्टे प्रमुख वेलूपिल्लई प्रभाकरन 18 मई 2009 को श्रीलंका सेना द्वारा मारा गया। अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन भी 2 मई 2011 को पाक के ऐबटाबाद में अमेरिकी सील कमाण्डो द्वारा मारा गया। अजमल कसाब को भी भारत द्वारा 21 नवम्बर 2012 को पुणे की यरवदा जेल में पफांसी दी गई। अपफजल गुरु को 9 पफरवरी 2013 को तिहाड़ जेल ;दिल्लीद्ध में पफांसी दी जा चुकी है।)

हमारा यह अध्ययन सैकण्डरी डाटा **(Secondary-data)** द्वारा ही सम्भव किया जायेगा जिसके लिये पुस्तकालयों के अखबारों, पुस्तकों, शोध-पत्रा-पत्रिकाओं, इण्टरनेट पर प्राप्त सामग्री, सरकारी रिपोर्ट, विभिन्न रेडियों एवं दूरदर्शन चैनल्स के कार्यक्रम, अन्य लोगों द्वारा लिये गये साक्षात्कार, पेनल वार्तालाप इत्यादि सामग्रियों का विधिवत् अध्ययन एवं विश्लेषण करके किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जायेगा।

प्रस्तुत शोध कार्य **descriptive Research/Ex-Post - Facto** (वर्णनात्मक) शोध के अन्तर्गत आयेगा।

संकेताक्षरों की सूची

(List of Abbreviations)

ABC	-	Atomic Biological & Chemical (Weapons)
APEC	-	Asia-Pacefic Economic Co-operation
APPPF	-	Afghanistan's Public Protection Police Force
ATFA	-	Anti Terror Federal Agency
ATS	-	Anti-Terrorist Squad
BCCI	-	Bank of Credit and Commerce International
BSF	-	Boarder Security Force
CBI	-	Central Bureau of Investigation
CBM	-	Confidence Building Measures
CIA	-	Central Intelligence Agency
CID	-	Crime Investigation Department
CRPF	-	Central Reserve Police Force
DGP	-	Director-General of Police
EU	-	European Union
FBI	-	Federal Bureau of Investigation
GPS	-	Global Position System
HAMAS	-	Harakat al-Muqawama al-Islamiyya
HM	-	Hizbal-Mujahidin
HMT	-	Hindustan Machines Tools
HUJI	-	Harkat-ul Jihad al-Islami
IB	-	Intelligence Bureau
IED	-	Improved Explosive Device
IPKF	-	Indian Peace Keeping Force
IRA	-	Irish Republican Army
ISI	-	Inter Services Intelligence.
JEM	-	Jaish-e-Mohammad
JKLF	-	Jammu and Kashmir Liberation Front
KYC	-	Know Your Customer

LeT	**-**	Lashkar-e-Tayba
LIC	**-**	Low-Intensity Conflict
LTTE	**-**	Liberation Tigers of Tamil Eelam
MMS	**-**	Multimedia Messaging Services
MoU	**-**	Memorandum of Understanding
NATO	**-**	North Atlantic Treaty Organization
NCTC	**-**	National Counter Terrorism Centre
NGO	**-**	Non-Government Organization
NSG	**-**	National Security Guard
PFLP	**-**	Popular Front for the Liberation of Palestine
PIJ	**-**	Palestine Islamic Jihad
PIPS	**-**	Pakistan Institute for Peace Studies
PLA	**-**	Peoples Liberation Army
PLO	**-**	Palestine Liberation Organization
PNA	**-**	Palestinian National Authority
POTA	**-**	Prevention of Terrorism Act
PWG	**-**	People's War Group
RAW	**-**	Research and Analysis Wing
RDX	**-**	Research Developed Explosives
SAARC	**-**	South Asian Association for Regional Cooperation
SDS	**-**	Sniffer Dog Squad
SIMI	**-**	Student Islamic Movement of India
TADA	**-**	Terrorists and Disruptive Activities Prevention Act
UK	**-**	United Kingdom
ULFA	**-**	United Liberation Front of Assam
UNGCT	**-**	United National Global Counter-Terrorism
UNLF	**-**	United National Liberation Front
UNO	**-**	United Nations Organization
USA	**-**	United States of America
VIP	**-**	Very Important Person
WTC	**-**	World Trade Centre

घोषणा-पत्रा

मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा प्रस्तुत 'अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद में आत्मघाती-हमलों की भूमिका' नामक शोध-प्रबन्ध मेरा मौलिक कार्य है। इस शोध कार्य का प्रस्तुतीकरण तथा प्रकाशन पूर्णतः अथवा अंशतः किसी उपाधि के लिए किसी भी विश्वविद्यालय में नहीं किया गया है। मेरे द्वारा जिन ग्रन्थों की सहायता ली गई है, उनका उल्लेख यथास्थान कर दिया गया है। यह शोध-प्रबंध डॉ. हरवीर सिंह, एसोसिएट प्रोपफेसर ;सेवानिवृतद्ध, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, म.द.वि. रोहतक के निर्देशन में सम्पन्न किया है।

शोधार्थी

राजकुमार

रजि. नं. 09-RUR-2811

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

घोषणा-पत्रा

मैं घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा प्रस्तुत 'अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद में आत्मघाती-हमलों की भूमिका' नामक शोध-प्रबन्ध मेरा मौलिक कार्य है। इस शोध कार्य का प्रस्तुतीकरण तथा प्रकाशन पूर्णतः अथवा अंशतः किसी उपाधि के लिए किसी भी विश्वविद्यालय में नहीं किया गया है। मेरे द्वारा जिन ग्रन्थों की सहायता ली गई है, उनका उल्लेख यथास्थान कर दिया गया है। यह शोध-प्रबंध डॉ. हरवीर सिंह, एसोसिएट प्रोपफेसर ;सेवानिवृतद्ध, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, म.द.वि. रोहतक के निर्देशन में सम्पन्न किया है।

शोधार्थी

राजकुमार

(MA, M.Phil, UGC-NET, JRF, URS, RGRNF)

रजि. नं. 09-RUR-2811

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

विषय-सूची

क्र.सं.	***अध्याय***	***पृष्ठ क्रमांक***
1.	**प्रस्तावना**	**01-96**
1.1	आतंकवाद की अवधरणा और अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद में आत्मघाती-हमलों की भूमिका	28-50
1.2	आतंकवाद की परिभाषा	51-63
1.3	आतंकवाद के प्रकार	63-84
1.4	आतंकवाद के कारण	85-96
2.	**प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों का अध्ययन**	**97-146**
2.1	अल-कायदा और इसके सहयोगी संगठन	107-129
2.2	हमास	129-137
2.3	लिट्टे	137-146
3.	**आत्मघाती दस्तों की संरचना का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण**	**147-194**
3.1	आत्मघात को प्रेरित करने वाले तत्त्व (कारण)	169-175
3.2	जिहाद और धर्म के नाम पर युवकों को भ्रमित करना	175-194

4.	**अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के समाधान हेतु उपाय**	**195-287**
4.1	रोकथाम के उपाय	201-218
4.1.1	यू.एन.ओ. तथा अन्य विश्वस्तरीय एजेन्सियों द्वारा	218-224
4.1.2	राज्यस्तरीय-सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा	224-251
4.1.3	धन एवं वित्त की भूमिका	251-284
4.2	संक्रियात्मक उपाय	284
4.2.1	आधुनिकतम उपक्रम के साथ सुप्रशिक्षित एवं कुशल सुरक्षाबलों द्वारा	285-286
4.2.2	छापामार विरोधी यु(कर्म की उपयुक्त स्त्रातेजी एवं सामरिकी के प्रयोग द्वारा	286-287
5.	**सारांशः शोध-परिणाम एवं समस्या-समाधान हेतु सुझाव**	**288-303**
6.	**संदर्भ ग्रन्थ सूची**	**304-311**